यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना **जय महावीर** **जय गुरु राम**

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2018

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग – 3

नाम.. पिता/पति का नाम..

शहर का नाम................................ जन्मतिथि...................... मोबाइल......................... रोल नं ....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर, दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान है तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड़, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

1- lerk lLdkj ikB'kkyk d fo|kFkh gk A ¼ ½
2- 97 vd ,o lkekf;d dju oky 3 vd çkIr dj ldr gA ¼ ½

प्रश्न 1 नीचे लिखी हुई गाथाओं को पूर्ण करो- **15**

1. तुष्भेहिं .... ठाएमि ।

2. चउण्हं कसायाणं ....
.... बारसविहस्य।

3. जं वाइद्धं .... विणयहीणं।

4. परमत्थसंथवो वा ....
.... य सम्मत्तसद्धहणा।

5. अपच्छिम मारणंतिय ....
.... जाणियव्वा।

6. खमासमणाणं देवसिआए ....
.... मणदुक्कडाए।

7. समणे णिग्गंथे ....
.... कंबलपायपुछणेणं।

8. बुद्धया विनापि ....
.... त्रपोहम।

9. आक्रान्त लोक .....

..... मन्धकारम्।

10. नात्यद्भुतं भुवन .....

..... मभिष्टुवन्तः।

11. कल्पान्त काल .....

..... कदाचित्

12. मेरा मेरा ..... मे तेरा

..... होगा डेरा।

13. जग का सुख .....

क्यों भरमाया ..... माया।

14. छल द्वेष .....

..... दूर रहे।।

15. प्रमादी गृहस्थ .....

..... चाहता हूँ।

प्रश्न 2. निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– **20**

1. जीव सोते हुए अच्छे या जागते हुए अच्छे ।

.....

.....

2. श्रावक जी पहला विश्राम क्या है ?

.....

.....

3. धर्म कितने प्रकार है ? नाम लिखिए।

.....

.....

4. रत्नत्रय क्या है? इसका अर्थ लिखिए।

.....

.....

5. भगवान पार्श्वनाथ का नाम पार्श्व क्यों रखा ?

.....

.....

6. कमठ कौन सा तप करता था ?

.....

.....

7. सुलसा श्राविका की परीक्षा किस-किस ने ली ?

.....

.....

8. राजकुमार स्कंधक को दीक्षा देते हुए माता-पिता ने क्या शिक्षा दी ?

.....

.....

9. दूसरे स्थूल का 5वां अतिचार क्या है ?

.....

.....

10. सातवें स्थूल का नाम लिखते हुए आठवें कर्मादान नाम लिखिए।

.....

.....

11. ऐसे व्रतों के नाम बताओं जो सिर्फ उपवास में ही होते है ?

.....

.....

12. आठवें अणुव्रत के अतिचार लिखिए।

.....

.....

13. चक्षुरिन्द्रिय के विषय कितने है ? नाम लिखिए।

.....

.....

14. योग किसे कहते है ?

.....

.....

15. विकार किसे कहते है ?

.....

.....

16. जीव का दसवां भेद लिखिए। (14 भेद मे से)

.....

.....

17. देश किसे कहते है ?

.....

.....

18. जीवास्तिकाय का गुण तथा दृष्टांत लिखिए।

.....

.....

19. 2, 6, 9 चक्रवर्ती के नाम लिखिए।

.....

.....

20. सम्मति स्थावर का गौत्र व संठान लिखिए।

.....

.....

प्रश्न 3. गलत शब्द के नीचे लाईन खींचकर सही शब्द लिखिए। **12**

1. 18 पापों का त्याग करने से जीव संसार सागर में परिभ्रमण करता है।

.....

2. गुरु जिनशासन के नायक एवं संचालक होते है।

.....

3. चेतो गमिष्यति सतां नलिनी दलेु।

.....

4. मिल गई तेरी रूप सम्पदा, सनत चक्री को भूल रहा।

.....

5. पुण्य पाप का दल-दल, फंसा हूँ, फँसता जाता हूँ।

.....

6. लोगों ने सुलसा की मिथ्यात्व दृढ़ता की प्रशंसा की।

.....

7. काष्ठ के मध्य एक अजगर झुलस रहा था।

.....

8. वासुदेव की मृत्यु के बाद प्रतिवासुदेव भी मुनि बन जाते हैं।

.....

9. सातवें उपभोग, परिभोग व्रत में श्रावक जी 14 नियम चितारें।

.....

10. सारस्वत पहले ग्रैवेयक का नाम हैं।

.....

11. छठे दिशाव्रत में एगविहं दुविहं से पच्चक्खाण होता हैं।

.....

12. नवें व्रत में 8 आगार होते है ?

.....

प्रश्न 4. खाली स्थान भरिए- **20**

1. .....से आगे जाकर पाँच आश्रव सेवन का पच्चक्खाण।
2. अबंभ सेवन का पच्चक्खाण,.....का पच्चक्खाण।
3. सचित्ताहारे, सचित्तपडिबद्धाहारे,..... दुप्पउलि।
4. .....देवसियस्स अइयारस्स दुष्भासिय।
5. ग्रहीत आहार को सात धातुओं में परिणत करने की शक्ति को .....

.....कहते हैं।

6. आहारक शरीर की अवगाहना जघन्य .....होती है।
7. .....के उदय से जीव चार गतियों में रूका रहता हैं।
8. .....के समूह का अस्तिकाय कहते है।

9. कमठ का जीव मरकर .....नाम का देव हुआ।

10. .....ही मुक्ति को प्राप्त करने से सहायक बनती है।

11. लक्षपाक तेल.....से बनता है।

12. स्कंधक मुनि के .....बन जाने पर गुरु ने उन्हें एकाकी विचरण की आज्ञा दी।

13. .....बांधता .....भोगता, नहीं कोई शरण दांता।

14. सिद्ध और अरिहंत प्रभु.....से विमुक्त हैं।

15. अन्त समय....., करूँ संथारो सार।

16. साधु के .....की पूर्णता भी केवलज्ञान के बाद ही होती है।

17. .....व्रत सभी धर्मों का प्रमुख है।

18. जीव और पुद्गल दोनो.....के आधार से चलते हैं।

19. बादर परिणत पुद्गल.....ही होते हैं।

20. एवं समणोवासएनं सम्मत्तस्स पंच अइयारा.....जाणियव्वा।

प्रश्न 5. अंकों में उत्तर दो- **10**

1. ज्ञान के अतिचार कितने-

2. शरण कितने होते हैं-

3. कर्मादान कितने होते है-

4. संलेखना के अतिचार कितने-

5. रसवाणिज्जे कौन सा कर्मादान है-

6. 2 करण 1 योग में कितने भंग होते है-

7. वैमानिक देवों के भेद कितने होते हैं-

8. हम तीनों विकलेन्द्रिय है हमारी कुल कोड़ी समान है-

9. 5 इंन्द्रिय के विषय कितने होते है-

10. पाप कितने होते है-

प्रश्न 6. मुझे पहचानों- **10**

1. मैं सब कुछ जानने वाला होता हूँ-

2. साधना करने वाले कौन होते है-

3. पांच इंन्द्रियों का दमन करने वाले होते हैं-

4. मैं भक्तामर का रचियता हूँ-

5. मेरा विवाह पार्श्वकुमार के साथ हुआ–

6. हम सिद्ध भगवान से अंनत है–

7. मैं प्रतिवासुदेव हूँ, फिर भी मेरा दहन किया जाता है–

8. मैं अनुज्ञा सूत्र का पाठ हूँ–

9. मुझमें 26 बोल आते है–

10. मैं साधु–साध्वी को निर्दोष दान देता है, तभी मेरा व्रत फलता है, व्रत का नाम बताओ–

प्रश्न 7. सही जोड़ी बनाइये– **10**

1. काल	तीर्थंकर
2. कूड़ा तोल	सुवर्ण
3. कप्प	निर्ग्रंथ
4. सागविंहि	वहे
5. अरिहंत	वस्तु में बेल सम्भेल
6. अइभारे	हीणक्खरं
7. श्रमण	परपासंउ पसंसा
8. कामविकार	दव्वविहि
9. संका	महाकाल
10. पयहींण	मुखरी वचन